प्यारे यह करतब, आप अब दिखलाओ

प्रफुल्ल कोलख्यान

चलती गाड़ी से नदी में कूद गये थे आप
अराजकता का लगाकर जोर से आलाप

अब नदी से उछल गाड़ी पर चढ़ जाओ
प्यारे यह करतब, आप अब दिखलाओ

जनता ने किया, आप पर बहुत भरोसा
अब तो ना आलू रहा, ना रहा समोसा

महिपाल पधारे, लोक पाल बिसराओ
प्यारे यह करतब, आप अब दिखलाओ